

133

Saraswati Prakāśa

ASHA ARCHIVES

1992 I



श्री न. जे.
पं. इ.

आर्य समाज	
1992	I
ARCHIVES	

षष्ठा॥ अथ नात्याम्ना॥ यथा हारं जिह्वदना अथ नात्यामगवर्तुग्राका॥ अदिर्वर्तुर्ननसहृष्टमातीकनामपुत्या
 हानि॥ तथा हे॥ अकावावकात्रासहृष्टमा
 अलनदम॥ अटधयह॥ उउदगवर्तु॥ अथ
 दधयह॥ अतिमहृष्टमाहानि॥ उउदगवर्तु॥
 सहृष्टमाहानि॥ अथ नात्यामगवर्तुग्राका॥ अदिर्वर्तुर्ननसहृष्टमातीकनामपुत्या
 हानि॥ तथा हे॥ अकावावकात्रासहृष्टमा
 अलनदम॥ अटधयह॥ उउदगवर्तु॥ अथ
 दधयह॥ अतिमहृष्टमाहानि॥ उउदगवर्तु॥

[illegible]

श्री सागर

[illegible][illegible]

ननयर्नातन्नयर्नातद्वयर्ना॥ त्रिद्वयमिनाति॥ त्रिद्वयमिनाति॥ त्रिद्वयमिनाति॥ नन० मूत्रावि० नन० मूत्रावि० नन० मूत्रावि०॥
मेयटिपुत्यथवपानाश्मनित्यस्य॥ चित्तमयं ॥ चित्तमयं ॥ चित्तमयं ॥ चित्तमयं ॥ चित्तमयं ॥ चित्तमयं ॥ चित्तमयं ॥ चित्तमयं ॥
कानस्यद्वौवारुवन्ति॥ वाक्शूत्रं॥ वाक्शूत्रं॥ वाक्शूत्रं॥ वाक्शूत्रं॥ वाक्शूत्रं॥ वाक्शूत्रं॥ वाक्शूत्रं॥ वाक्शूत्रं॥
न॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥
श्रयस्तद्वर्गकश्चरुर्धरुवन्ति॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥ ननु॥

[illegible]

सकावटवर्गस्यार्थागच्छेवति॥सकावटवर्गस्यकावटवर्गस्य॥कस्यस्य॥कस्यस्य॥कस्यस्य॥कस्यस्य॥
 ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥
 वर्गस्यलकावटवर्गस्यलकावटवर्गस्य॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥
 रुधावटवर्गस्यलकावटवर्गस्यलकावटवर्गस्य॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥
 ति॥ननुटीकन॥सकावटवर्गस्यलकावटवर्गस्यलकावटवर्गस्य॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥

ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥
 ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥
 रुधावटवर्गस्यलकावटवर्गस्यलकावटवर्गस्य॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥
 मोरुवति॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥ननुटीकन॥
 कूर्वश्रुवश॥कूर्वश्रुवश॥कूर्वश्रुवश॥कूर्वश्रुवश॥कूर्वश्रुवश॥कूर्वश्रुवश॥कूर्वश्रुवश॥कूर्वश्रुवश॥

स्व॥ क का व ल का व न का व क स्वा दू ल ना द्वि कृ व नि स्व न प य प दान न वा । पु त्य दू र्द प त्य द्वि दं । सु ग ल ० ० ह ।
 सु ग ल्नि ह । वा ज नू ० ० ह । वा ज नि ह ॥ कृ ४ ॥ कृ ४ ॥ कृ ४ ॥ कृ ४ ॥ कृ ४ ॥
 खे स प न च पा रु व नि ॥ न व च्चु र्ग । न व च्चु र्ग ।
 त्य ॥ अ च्चु द य ति ॥ मा च्चु द न् । मा इ नू स्वा न श ॥
 न ह स ति ॥ प दू भू व थ ॥ प दू व थ ॥ न च्च प दाने ज स ॥ न का व त्य म का व त्य चा प दाने व ह्मान न त्या नू स्वा वा रु व

नि ज स प न ॥ य ज नू सि । य ज नू सि ॥ य यानू सि । य यानू सि ॥ य मू त्या म ॥ य मू त्या म ॥ क मू स श क स ॥ स म स र्म स ॥ य म य प त्य ॥ अ नू स्वा न त्य
 य मा रु व नि य प य न ॥ अ त्य य प त्य स व ० ० ॥ त्व क
 ता स र्ग ता । स व त्ता न श । स म त्ता न श ॥ ० ० ० ॥ अ नू स्वा न
 व य ० साम ॥ न व वि श न ० व वि श ॥ ० ० ० ॥ अ नू स नि श ॥
 का वा रु व नि ख स प न ॥ क ४ न ना ति । क ४ ना ति ॥ क ४ व न ति । क ४ व न ति ॥ क ४ कृ द य ति । क ४ कृ द य ति ॥ अ य स वा ॥ वि स र्ज नी य त्य ग म य

अ. दो वा प नो व लु विकार ना लो ॥ धना रु द र्थ नि ण य न या ग सु द र्थ न प ष्ट वि ध नि नू क । व लु ग मा ग व न्द्रा दो सि ह व लु वि प र्थ य ॥
 धा उ म दो विकार ४ स्या द लु ना १ ४ प षा द न ॥ व लु
 न नु म ना दि षू ॥ **ॐ नि वि सु म्ने स नि ष्ट क्रि या ॥** ॥
 दी ॥ ग रु स्या दि वि रु क या नो म्ना या ष्ट न ॥ अ वि रु कि ना
 द्वि ग स मा सा ष्ट पा नि प दि क स्मू क वि दि ति ॥ **ग स्मा सि उ ज मू अ मू उ न मू टा ह्या मू रि मू ढ ह्या मू ह्य मू ढ सि ह्या मू ह्य मू**

विकार ना १ म ह्या धना व नि ण य न य १ या ग ४ सु द र्थ न या ष्ट म य
 ॥ अ थ वि रु कि वि रु क या न ॥ सा द्वि क स्या दि ह्या दि ष्टा ॥ वि रु क न प
 म ॥ वि रु कि न हि नं क रु व रु नि नं वा र्थ व रु द र्थ प ना म या न ॥ क रु
 १२

ढ मू उा मू उा मा ढि उा मू सु पू ॥ ग स्मा न्ना म्ने ४ प ना ४ स्या द य ४ स क वि रु क या रु व नि ॥ ग रु अ र्थ म्ने क त्व वि व द्वा या पु थ मे क व च न सि
 ॥ दि व सि ॐ नि सि न ॥ ॐ का न उ च्चा न म र्थ ॥ अ वि स
 य ४ ॥ द्वि व वि व द्वा या मी ॥ उा उा उा ॥ द वो ॥ व रु व वि
 सी नि वि ल ष ण ॥ दी र्थ वि स र्ने ॥ दि वा ४ ॥ अ का न रु स
 मू ॐ नि सि न ॥ अ मू ण स न स्या ॥ स मा ना दू रु व या न मू ण स न का न स्या ला ण रु व ल य ध ना ४ ॥ द व मू ॥ द वो ॥ व रु व च न द व मू ॐ नि सि

न ४ ॥ स का न य रु या वि सु रु नी या द ४ ॥ रु व ल य ध ना न म प द न च ॥
 व द्वा या दि व ज मू ॐ नि सि न ॥ उ का न स्य र्ने क या ला प य या ज नं उ
 अ सु द क वि द क य ४ द वा स ४ ॥ व रु क ल म ४ ॥ द्वि ग यि क व च न द व मू
 ॥

[illegible]

१२

नादो जनमूवावक द्यशा ऊना जनसो जन ऊनस ४ ऊना ४ ॥ ह ऊन ॥ ह ऊनसो ॥ ह ऊन ॥ ह ऊनस ४ ह ऊना ४ ऊनस ४ ऊनी ॥ ऊनसो ॥ ऊन ॥
ऊनस ४ ऊना ४ ऊनस ४ ऊनया ॥ ऊनाया ॥ ऊनाहि नि
विशदवसुक्रिया ॥ वृद्धि ४ वृद्धी ॥ वृद्धय ४ ॥ ह वृद्ध ॥
विश ४ वृद्धा ॥ वृद्धित्या ॥ वृद्धिहि ४ ॥ ॐ वृद्ध्या ॥ मि
गमा रुवति ॥ वृद्धो ॥ वृद्धय ॥ वृद्धित्या ॥ वृद्धित्य ४ ॥ वृद्धा ४ ॥ वृद्ध ४ ॥ वृद्धित्या ॥ वृद्धित्य ४ ॥ वृद्धा ४ ॥ वृद्ध ४ ॥ वृद्धा ४ ॥ वृद्धीना ॥ म्रियाया

नयार्थदसदासु र्थमर्कं ॐ ह्यतावादे र्णेहवतः॥ तुर्था॥ मर्कं॥ युवा र्था॥ आवा र्था॥ ह्यसु र्था॥ युष्मदसदा॥ पत्रा ह्यम र्था॥ वनि॥ १
कात्रा रुकावादि ह्यवा र्थार्थः॥ गेना त्वेत् नरुवतः॥ युष्म
र्कवति॥ १॥ कावः॥ सर्वार्थः॥ १॥ उकावः॥ उवा र्था॥ १॥
नयार्थदसदासु र्थमम ॐ ह्यतावादे र्णेहवतः॥ गे
र्कवति॥ युष्मार्कं॥ अस्मार्कं॥ त्वयि॥ मयि॥ युवया॥ आवया॥ युष्मासु॥ अस्मासु॥ ॥ अथानयोवादेऽविषयविधिः॥ युष्मदस

दा॥ षष्ठीचतुर्थीद्वितीयाहिसुभवनोवसनसो॥ युष्मदसदा र्थार्थसंख्यनामी आदः॥ मरुवनि॥ कीदृशीया॥ षष्ठीचतुर्थीद्वितीयासहित
था॥ १॥ गेकवचनेन सह गे मरुवतः॥ द्विवचनवा॥ नो॥
मर्कं ह्यगवन् रूया॥ देहिमभाक्कमवयय॥ स्वामीवांसुहा
दवावामवनादिषु॥ नेवका नोऊनादने॥ स्वामीवावल
नधिनी॥ सानन्दान्व १५ पञ्चमः॥ पञ्चमः॥ नः॥ सुदूषिवनः॥ त्वामामा॥ अमासहि नयार्थदसदासु र्थम ॐ ह्यतावादे र्णेहवतः॥ पञ्च

पवननाथोचपूर्वस्य कृष्णवारुवति ॥ वलिका ॥ वलीका ॥ नदिका ॥ नदीका ॥ एषसिगना ॥ एषसीतना नोका दोन रुवति ॥ वायुहल
 निश्चयनपतन्यनेकस्य रथविनिनिपातनामनेका ॥ रथान् ॥ एष ॥ एष ॥ नका नानादका नानादलना यमियामीयु
 त्रयारुवति ॥ दलुनी ॥ दकिनी ॥ कत्रिली ॥ मालिनी ॥ ॥ एषिना ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ ४४
 हनु ॥ डोयगवी ॥ यस्य लाप ॥ ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥ एष ॥
 वक्षस्यमियामीयु त्रयारुवति ॥ एषवकी ॥ टकू ॥ वक्षी ॥ उ ॥ एषमनी ॥ मरुवकी ॥ यवकी ॥ ॥ एषादि ॥ नदाद ॥ नदाद ॥ नदाद ॥ नदाद ॥ नदाद ॥ नदाद ॥ नदाद ॥ नदाद ॥

त्रयारुवति ॥ नदी ॥ एषेनी ॥ एषमनी ॥ चतुर्थी ॥ पक्षमी ॥ पावनी ॥ शर्वरी ॥ एषादि ॥ ॥ एषाद ॥ एषाद ॥ एषाद ॥ एषाद ॥ एषाद ॥ एषाद ॥ एषाद ॥ एषाद ॥
 रुवति ॥ ॥ एषादी ॥ रुवानी ॥ वृडादी ॥ ॥ एषादी ॥ एषादी ॥ एषादी ॥ एषादी ॥ एषादी ॥ एषादी ॥ एषादी ॥ एषादी ॥
 जानवयापक्ष ॥ आगिवाविना ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥
 टी ॥ वाक्की ॥ अयेका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥ यका ॥
 रुवयशा ॥ एषम ॥ एषम ॥ एषम ॥ एषम ॥ एषम ॥ एषम ॥ एषम ॥ एषम ॥

स्वेनान्नान्नयननचनानकाशजगीयनचगीनरूपमिभियननरुजिगाशाप्रामनुलवा॥ अहिमूखीकनथथपिपुथमाविरुकिर्हवनि॥
 मासाथं क्रमस्यलस्यसिन॥ लामूरुगमसूअयासूँथनग
 दानिपात्यनधिविषय॥ क्रमस्यलदूनावाधरुग
 लया॥ कार्यकर्तसाधनयाद्वानपार्थविष्णुवाव
 र्थसूहवनि॥ कार्यकर्मकावकडत्यायप्रसक्तकार्यविकार्यवद्विनीयाविरुकिर्हवनि॥ यरूलावितदत्तायीयसिद्धमव

प्राप्ताग्नदार्थायगुगुलधनमलापकर्णवाकियननसंस्कार्योत्तुपूर्ववक्तापवित्प्रागनावक्ताकनप्राप्ति॥ कियननद्विका
 र्थ॥ कटंकनानिकावूकावूर्यपधेनिकाद्रुषशानार्थ
 गुपय्यादिषुविषुद्विनीयामुक्तिगानेवूननान्यगपि
 वदहं॥ उषय्यपनियूनाहिनयावका॥ यनकि॥ अध
 समयाग्रमंनगूरुहक॥ निकवाग्रमंरुर्लपार्थपुनोग्रमंयद्वानशहाग्रमंकालाधनानेवकथयिामासमधीन॥ कोर्णयवृत्त॥ कर्त

त्रिपुष्पन किया गुणसाधनच॥ किया सिद्ध पकारक कनलार्थरुगीया विरुक्तिर्वति॥ हिन ४ गत्रलनामिलनावल्लोक वावण
 ४ कना गुणविदी लुपिवानेय्युधनयून॥ दान पाठ संपुदानकात्रकचतुर्थी॥ वेदविदगर्भददाति॥ कृतायक
 न्याददाति॥ समग्रदीयन गुणवृद्धायेसोत्तमस्य दानी॥ यथा॥ ददाति दण्डपूत्रवामहीयनन्यातिरुक्ता नवदा ४१
 नका मया॥ यदीयन वासनयासुपाठु नत्तपुदानेक थिरु कवीन्द्रे॥ नास्तीदलुन्ददाति॥ ब्रह्मस्य वस्तु ददाति॥ ॐ ह्या
 दो संपुदानकात्रका हावानचतुर्थी॥ विरुक्ता विरुगसुगया वधिष्ठलनया अचलनया वाविवक्तिरुक्ताया दाने पंचमी॥ ध

वना रश्मिदयन॥ रुक्तायन वतिगंग॥ सर्वरन्धयष्टी॥ सना ४ यूनवा ४ यशियेनात्रतु पूजनमागुनृणमचनमथार्क
 वीनानसवद्वचशा अाधनसफमी॥ अाधनाधिक वली॥ षष्ठिधमधिकवली॥ डीपल्लविके॥ सामीपिके॥ अरुष्ट्याप
 की वैषयिके॥ नेमिलिके॥ डीपवात्रिके॥ कटः शतकूमात्रासोवठ गभवष्टा ११ वने॥ निलवे विद्यामनेलद्विद्व
 क्लामर्गपत्री॥ यूद्धसन्ने अरुधीनाइकुल्यशुकवि लीगर्ग॥ हाव४ कियालद्वलीनगापिसफमी॥ वर्षनिदधवीकआ
 याग॥ पतर्गुमालिनिपतिगाइनामि॥ विनासहनममृननिद्धाविलस्वाम्यादिहिष्टा॥ प्रनेत्रपिया ११ द्विगीयाया विरुक्

यनाङ्गविकारः॥ यनाङ्गनाङ्गिनाविकारः॥ लङ्गुनस्मादङ्गुनीयाविरुक्तिरुवति॥ अङ्गाकाणः॥ पादनखः॥ कर्तुन
 वधिनः॥ ऊनिकर्तुः॥ यकृतिः॥ जायमानस्यकायः॥ स्थापादानमपादानसंज्ञं रुवति॥ गृहापादानं पंचमी॥ यस्मात्पु
 जाः॥ यजायन्तस्तदुक्तेति॥ आकादियागच॥ आपाटलिपूरादृष्टादवः॥ नादर्थचतुर्थीवक्या॥ सयमाय
 गुणधरुनवाधमायसंयमाधर्मभाकायमधवी
 यदुक्तेति॥ गुणवर्गः॥ सूयति॥ अलापपंचमीववक्या॥ हर्म्यस्यैव॥ हर्म्यमात्रैकपञ्चमं॥ हर्म्यार्थः॥ आसनीत्युक्तेति॥ आ

४९

सनेउपविश्यपुङ्गवः॥ हर्म्यार्थः॥ निमित्ताकर्मयागासकमीचवक्या॥ चर्मलिदीपिनं हनिदक्याहनिक् ॥ अत्रमाकं
 प्रचमनीहनिमीमिपूष्कलकाहः॥ विषयच
 नः॥ वदूषसाधूषेनिवात्रयत्सपिस्वयमनार्थाया
 साधूमाः॥ मागापिशात्रदः॥ पुवुजनिपूः॥
 वनिनदापथमायथाक्या॥ यदृक्कियर्गः॥ पटः॥ कार्यः॥ चन्द्रसिन्ध्यादिः॥ सर्वः॥ दध्नाः॥ हातिः॥ पूनकुवद्वलस्यतिः॥ वजनीर्वि

वंशशांति कानक ४ पक्रिया ॥ ० ॥ अथार्थवद्विरुक्तिविशिष्टानां पदानां समासनिवृत्त्यर्थं ॥ समासश्च न्वयनाम्ना ॥ नाम्नामन्वय
 याग्यत्वे सत्यव समासो भवति यथा दारुद्विगुण्यि ॥ न ॥ गारायां पुनश्च स्याद्यो न भवति ॥ सच षष्ठि धशा अद्ययी हावसु
 सूर्यादौ द्वावद्वीहिः ४ कर्मधनया द्विगु १ श्रुति ॥ पूर्वपदपुखनाद्ययी हावशः द्विगु न सूर्योपन पदपुखनाव ५०
 द्वीहि न न्यपदपुखनशब्द कर्मधनयो या रुयप
 क पद्यमेकस्वयमेकविरुक्ति कर्त्तव्य समासपुयाऊनी ॥ अधिमु ० तिलिग ॥ मुनि द्वादिनीयेकवचनं अम् ॥ नियमधिकृत्य

वनीतिविग्रह ॥ अथयथाग्यार्थपदसमर्पक ४ पदसमूदाया विग्रहावाञ्छमिति यावत् ॥ कर्त्तुं समासं अद्ययस्य पूर्वनिपातावकृत् ४ ॥
 पूर्वः अथः अद्ययी हावशः ॥ अद्यार्थपूर्वपदसगित्यान्वय ४ सा अद्ययी हावसं कृत् ४ समासो भवति ॥ ० तिसमाससंज्ञायाम् ॥ ॥
 समासपुत्रयथाशा ॥ समासवर्त्तमानाया विरुक्त ४ पुत्र
 अधिमु ० तिलिग ॥ सनयूसर्क ॥ सा अद्ययी हावान
 यी हावात्यनस्या विरुक्तं लुक् भवति ॥ अधिमु गृहकार्य ॥ वायमतिकानमतिविकूल ॥ नावमतिकानमतिनूजल ॥ ऊखादं १ ५ सधक

अथ न्यासः ॥ धर्मविबुद्धो धर्मः ॥ गृहलक्षणं वा ॥ गृहलमिति ॥ नदन्यनद्विबुद्धनदराववून ॥ वरुण ॥ वार्थद्वन्द्वः ॥ समू
 च्यान्वाचय नवनवथा गसमाहाना ॥ अर्थः ॥ गण
 नास्ति ॥ वटाहिकामठगानयनिकुमलक्रियाद
 नवनवथा गसमाहाने ॥ र्थद्वन्द्वः ॥ समासारुवनि ॥ द्वंद्व
 गुफपदगुफो ॥ उकार्थनामपुथागः ॥ अग्निश्चमात्रुग्निश्चमात्रुगो ॥ हाकावलीयश्चहीकृहाग्नेमीचपूवश्चली

५२

पूवो ॥ धवश्चरदिनश्चधवरदिनो ॥ दवताद्वंद्वपूर्वपदस्यदीर्घावक ॥ अग्नीधोमो ॥ न्यावहस्यनी ॥ अग्न्यादः ॥ समा
 दीर्घावर्त्त ॥ नवनवनथा गदिवचनी ॥ नकवडा
 पलागः ॥ गणकृगपलागो ॥ अन्यादीनामिहकि
 त्वंद्विगुद्वंद्वो ॥ नकलेवरुमानोद्विगुद्वंद्वोनयसक
 गयन ॥ समाहाने ॥ नदीपद्विगु ॥ समाहाने ॥ र्थद्विगु ॥ समासारुवनि ॥ हाकावलीयश्चहीकृहाग्नेमीचपूवश्चली

॥ अथ न द्विगानि नूयन् ॥ अपत्यं ॥ नाम्नाः पत्यर्थः पुत्र्यया रुवति ॥ उपपत्त्यपत्यमिति वा ॥ उपपत्त्यपत्यमिति वा ॥ समास
पुत्र्यया विनिष्पत्ती लापः ॥ लकारो वृद्धार्थः ॥ आदिस्वत्र
तिलिनिचन द्विगं पत्रनः ॥ उकारस्योकारो वृद्धिः ॥ वी ३
गवशवादिषु ॥ गोममः ॥ अउवलि ॥ माहृगदस्य उ
नाः अमापुष्ट्या ॥ अन्तः अन्तः ॥ अकाराना नाम्नाः ॥ नृषि लोकादपत्यर्थः ॥ पुत्र्यया रुवति ॥ यस्या लापः ॥ देवदहिः ॥ ७०

धविशपो नन्दविशः ॥ ल्हायनः ल्हायणीयागर्जनः ॥ विमुपितः ॥ सुसादनः ॥ गगर्जदन्तः ॥ गदवगादः ॥ मुलिगनपितः ॥ सुसादनः ॥ ल्हाय
यनः ॥ ल्हायणीयः ॥ ल्हायणीयः ॥ पुत्र्यया रुवति ॥ अपत्यर्थः ॥ ग
धयः ॥ गगयः ॥ माहृयः ॥ पेठः ॥ सुमीयः ॥ माहृयः ॥ सुमीय
उत्पन्नस्य पुत्र्यस्य वदः ॥ सनिकविदः ॥ अन्तः ॥ विविषयः ॥
दमर्थः ॥ वीकाः ॥ पुत्र्यया रुवति ॥ ०० ॥ द्वादशः ॥ अस्यानि ॥ नृ रुविशः ॥ सोम्यनः ॥ दवदः ॥ र्थमिदं ॥ देवदः ॥ वरु ॥ कविद्वयाः ॥ कवि

[illegible]

धर्यं मनुष्यया रुवति सुवति ॥ लाहि निमा ॥ अतिमा ॥ अरु मति ॥ अरु सुवति ॥ मनि पद ॥ पथिमा ॥ वहारु वरु
 निविगुह ॥ वहारु लपि रुववह ॥ वहारु रुववह ॥ रुमा ॥
 अरु मरु ॥ नाम्ना सुवत्यथ रुवति ॥ अ
 गवविद्यक ॥ स्यामो गममान ॥ गममान ॥ गममनी ॥ ग
 शमयिक ॥ माको पक्षद्विने ॥ मको नाका मका ना पना पक्षदका ना दका ना पक्षद्विने पक्षयोरुवना सुवत्यथ ॥ रुवान्ना रुवती ॥

वेकस्यनिर्द्धात्रलकिमादिश्याउतनउतनमोवकथो॥कन्यारुवगं॥काव्यशकनभाहवर्गगलिकशहवगार्थनवकाकिंकसुनवड
 मूलभु॥संख्ययविराषावधनलदिप्रियागीयशदिनीयश॥संयुसावर्गनीयश॥व०वगुवास्तु॥षष्ठश॥चतुर्थश
 कनिकनिपयात्यचिकनिथाकनिययथा॥पंचादमश॥पंचमश॥प्रकादशदर्थ॥प्रकादशदनिर्णयदीयश॥प्रकादश
 शद्वादश॥प्रयोदश॥अष्टादश॥विंशत्यादवर्गम॥विंशतिमश॥विंशश॥विंशरुमश॥विंशश॥गतादनिर्णय॥गता
 नमश॥संख्याया॥पुकात्रका॥दिधा॥विधा॥चतुर्धा॥गु०ल०॥व०॥द्विधा॥त्रिधा॥चि०॥क्रियाया॥आ०॥कृ०॥पंचवानानि

निर्यवकृत्तश॥व०॥कृत्तश॥द्विप्रियासुश॥द्विब्रूकं॥विब्रूकं॥वद्वादि॥गस॥वद्वावानानिनिवद्वा॥नयायटोसंख्याया॥द्विनय॥त्रिनय॥मू
 वद्विनय॥त्रिनय॥द्वय॥त्रय॥ऊ०या॥दादनिऊ०वेलाद॥यावकृत्तश॥ऊ०या॥ल॥ऊ०या॥विक॥ऊ०या॥धिक॥मू०पू०त्यनि॥सुनी
 ॥मू०ली॥यो०यू॥॥ग०आ०निपा०त्याक०त्यादयश॥का०संख्या॥अस्थनिकनि॥०००॥नि०दि०न०प०क्रिया॥॥अ०थ०र०वा०न०प०क्रिया०नि०ब्रू
 ॥अ०न॥ध०न॥॥व०म०ल०॥प०ल०या०ध०न०॥ऊ०या॥॥रू०दि॥रू०स०ला०या०मि०त्या०दि०न०॥ध०न०॥रू०स०रू०की०ह०व०नि॥स०व०वि०वि०ध०॥अ०
 स०न०य०दी०प०न०मे०प०यू०रू०य०य०दी०वि०नि॥अ०द०न०दा०रू०दि०न०॥अ०न०दा०रू०न०दि०न०॥ध०न०॥ना०दि०त्या०स०न०य०दं०रू०व०नि॥॥इ०त्त०वि०न०उ०रू॥

23

हनस्यनामिनागुल्लहवनिपितियत्र॥अवाद्य॥हवनि॥द्वित्वविवक्षायां हनमृनिष्ठिर्न॥अपिलादिदिर्न॥यकारतनादि
 केयविदायान्य॥पुत्ययादिर्लुल्लहवनि॥केत्यद्य
 दिव्वेवनादसिपत्र॥अर्चिसर्ग॥हवग॥वद्वर्थवि
 कारेनकारेवपत्र॥हवनि॥हवसि॥हवथ॥हवथ
 वाव॥हवाम॥सनाडाधार्मिकाहवनि॥हवसाधूरुवसि॥अरुमात्मविद्वामि॥अवधनाच्चयूयवि॥ष॥साधूसवर्त्तवह

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

काययुहययकिचपन॥दकाभयवधनलभर्थ॥नदीधोनिवृत्ति॥मृदुपागल्याग॥मियन॥दृढआदन॥दानमादिय
 न॥दृष्टेहवला॥क्रियनधनसोपला॥य॥यकात्र
 यनअन्नवक्त्र॥दादप्रि॥दादनाकाययकायद
 धन्यरुभो॥मादमान॥मीयन॥केलेनेलाके॥स
 य॥कायन॥गभयेन॥नायन॥लभननूकवला॥लभयन॥उहाकल्याग॥दीयन॥यापान॥पीयन॥स्वागतिनिवृत्ति॥

स्त्रीयन॥ तनाग्नोवा॥ तनायातकात्रसंश्रुकात्राहवतिकिकिपत्र॥ नायन॥ नन्यन॥ गुल्लहि संथागम्या॥ अगतावि
त्येस्यधर्माः॥ अकानाकसंथागमदध्यगुल्लरुवति क्वचिकिदिनिचपत्र॥ अगनीअर्थन॥ सृचिनाया॥ समर्थन॥
यत्कर्मगुल्लसंथागमलेखेनविवक्षुनसकर्म कर्त्ता॥ नशाथनयदाहनली॥ पश्चनडादन॥ स्वयम्भवा॥ हि
दित्रविदान॥ लिङ्गनकार्षस्वयम्भव॥ लू३३ द न॥ लूनयनकाद्या॥ स्वयम्भव॥ द्विकर्मकस्यादाहनली॥ दुहियावि
प्रधिष्टिहिक्किचिबूर्त्त्यादयोद्विकर्मकाः॥ ली३३ पाप॥ नगरनीयननागत्रिकैर्विनवन॥ गुर्या३३ या॥ य्या॥ रोजन

याद्यागियजमानायाचकन॥यच्छुद्धीयाया॥गृहीद्विनिधिसंप्रसावली॥पृच्छानपृच्छानपथिकनपाक॥निष्ठावाया
 सुखं पृच्छान॥यूनः कर्तुं निपुलायन॥पथाद्वि॥
 १६॥प्रवहमह॥धमाः यथाद्वितीतकालावाद्य
 वचनं हवति॥आराधनं यो॥पूर्वस्य अकारस्य ह
 वकावः॥कुवावूक॥कुवावूगमा हवति लोकोसति॥वहव॥वहवदुःखं वहवदुःखं कायलादः॥कुरु कुरु मुमुक्षुं हन

स्मात्यनस्य लोदग्नेः स्यनसादविदू न हवति अन्यस्माद्वतीति नियमान् जगमः॥वहविथा वहवथुः वहव॥वहववह
 विवा वह विम॥वलिर्वलवानवहव॥अगुडयध
 यनः॥पपाच॥लोदिः किं॥लोदिनपिकि हवति
 नि पूर्वस्य लाया हवति अकारस्य सैकहसस्येकोनः॥
 यो॥पविथापयक॥पचथुः॥पच॥लवूहमावालिष्ट कव्यः॥गगाविकल्पमद्विष्टः॥पपाचापयचापचिव॥पविम॥आत्मनेप

निष्पत्तिः॥ हनिष्यति॥ ॐ ह्यादि॥ कनिष्पत्तिः॥ हनिष्यति॥ गमिष्यति॥ सकानपि॥ सकानस्य कानाहवति सकानपयनं अन
 पि विषयः॥ वसनिवासः॥ वत्स्यति॥ दहृत्सीकन ॥ ८॥ दाददोः॥ आदिऊवानामित्यादिनाधकान४ कर्त्तव्यं व॥
 ॥ धञ्जति॥ दूहयपूत्रः॥ १॥ धञ्जति॥ उपधाया लघान्तुल४॥ धाना नूपधायानामिनालधान्तुल४॥ हवति ॥ ८५
 साध्यानि॥ साध्यान्॥ हत्स्यति॥ किदिनद्वधीक व॥ ८॥ कृत्यति॥ तुदद्यथनतात्स्यति॥ विधूसिद्धो विधूगनीवि
 धूना॥ भुमांगल्यव॥ जया लभमनु समानं रूपं॥ सत्स्यति॥ प्रविष्यन्॥ शयिष्यन्॥ दास्यति॥ दास्यन्॥ ३॥ हाकृत्याग॥ हास्य

ति॥ हास्यन्॥ १॥ शुष॥ लभय॥ १॥ लभञ्जति॥ षूढपालिगर्ह विमाचन॥ साध्यानि॥ कुरुपालनायवदानथा४॥ अकारसुविनडरु
 यपदार्थः॥ लभञ्जन्॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ स्यपेक्रिया निकर्मे॥ क्रियाया अतिक्रमेकं तन्निष्ठं गुणं दनिष्पत्तिः सत्या
 दिवादिपत्र४ स्यप्यस्य यो हवति॥ अरुविष्यन्॥ अरुविष्यन्॥ कविदूतयिलुठि विस्मृता पालिनी
 यानाम्॥ यदि सुवृत्तिः४ सुनामं चारुविष्यन्॥ क्रिया सुहृदमरुविष्यन्॥ अरुञ्जन्॥ नययोगमिष्यन्॥ हलदीप्ति
 ॥ अवञ्जन्॥ वानययानि४ पादलिष्यन्॥ १॥ क॥ १॥ अरुनिष्यन्॥ वानययानि४ श्येत्॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ हृत्सि४ धर्मा४ हृत्तमार्ग

ऊरुमेथून॥ऊरुस्यन॥दंशदंशन॥नानोप॥धनान्नयधनान्नकावस्यलापाहवतिक्किगिरुभपय॥दंदधनमगक॥हं
हूममदन॥वैरुस्यनमलादनीनूलिहंस्यादि॥ननीगभुविद्वय॥हूीकानहूीकानहूीठिकायार्थशात्रीगदप
धस्य॥ऊदपधस्यधनार्थदिपयपूर्वस्यनीगगभा
न॥वृगुवर्तन॥वनीवृत्तनवार्त्तसुविहं॥संसुध
सेति॥पदगनो॥नापपूर्व॥नापनीपयन॥नापनीपयन॥नापनीपयन॥नापनीपयन॥संसुधसुसुध॥पनन॥सनी

सुस्यन॥यनीधस्यन॥वनीवचन॥वनीरुस्यन॥वनीकस्यन॥वनीरुयन॥रुहृशकन॥कयन॥निसिहं॥सुनो
नि॥ऊकानान्नस्यनिआद॥भरुवतियदिस
॥ष॥हूतिनकावलाप॥वृत्तगुलया॥थदी
अथकीयन॥दृ॥हृव॥ऊऊयन॥वृ॥व
न॥ददीयन॥आग॥आपादान॥आध्मात्री॥आध्मा॥हूत्यनयात्रीकावाद॥भरुवतियदियन॥ऊयन॥ऊयन॥

ऊँ ह्रीं श्रीं ॥ अऊँ ह्रीं श्रीं ॥ ध्यानाद्याग्निर्संथा ॥ दध्नीयन ॥ ह्यपि ह्यपि दध्नीं संपुमानं दिव्यं ॥ सायुचन ॥ ससिचन ॥ ह्य
मूऊँ दध्नी ॥ ससिचन ॥ वेवीयन ॥ पापाने ॥ पपीय
नूगगभाह वनिपनस्याह उदादग ॥ श्रीं वि
गनूवरुन ॥ अन्यर्ण्यकूपययसंथागमिनापि
वह्यनपिविषय ॥ लूकिसेतिपितिल्लिवकावावक्य ॥ दध्नीं ॥ पिनीपक्षयागुल ॥ दिव्यकस्येधनी ॥ ह्यनपनअपिविष

अउपधयागुलनरुवति॥यद्गुलनं पत्रमेपदंकादिवच्चदस्य॥वाहुजीति।वाहाकि।वाहुक॥वाहुऊति॥वूदथ
न॥वावूदीति।वावाहि।वावरू॥वावूदति॥ वृषवषपाक॥पापचीति।पापकि।पापक॥पापवति॥पाप
चीषि।पापकि।पापक॥पापक॥पापचीमि।पापवि।पापव॥पापव॥पापव्यान।पापवीतु।पापकु।
पापकाद्वा।पापगि।पापक।पापग॥अपापची
दीति।वावहि।वावरू॥वावेदति॥वावद्यान।वावदीतु।अवावदीतु॥दटवस्यया॥संपूर्व॥संजाद्यटीति।संजाद्यटि।सं

जायदृशसंजायदृगि॥संजायद्यान॥संजायटीनु॥समजायटीन॥रुसलाया॥संवाहवीनि॥संवाहानि॥संवाहनशसंवाहव
 नि॥संवाहयान॥संवाहवीनु॥संवाहानु॥संवाह
 वाहान॥समवाहनी॥समवाहवृश॥समवाहवीश
 दलुकिंसतिनूकविकनीगममावक्याश॥वक
 म्चर्कनशचविकेनशचनीकनश॥चर्कनि॥चविकनि॥चनीकनि॥चर्कनीषि॥चविकनीषि॥चनीकनीषि॥चर्कनीषि॥च

२५

विकर्षि॥चनीकर्षि॥चर्कथश॥चविकथश॥चनीकथश॥चर्कथा॥चविकथा॥चनीकथा॥चर्कनीमि॥चविकनीमि॥चनी
 कनीमि॥चर्कमि॥चविकमि॥चनीकमि॥चर्क
 श॥विरेषो॥चर्कयान॥चविकयान॥चनीकयान
 चविकर्कु॥चनीकर्कु॥अमयनने॥अचर्कनी
 चनीकश॥ॐत्यादि॥वृनुवर्कने॥वृनुनिपू०निहिनी॥अनिगथरुसाधयर्दुद्विष्टे॥वृवृनुनिपू०निहिनी॥

न४ ॐ निःश्रुका न४॥ वदनीति वनिदनीति वनीदनीति॥ ववर्लि वविवर्लि वनीवर्लि॥ ॐ त्यादि॥ ववृत्या न४ वनि
 वृत्या न४ वनीवृत्या न४॥ ववर्तु वविवर्तु॥ वनी
 त्रिवनी न४ अवनीवृती न४॥ अववर्लि अवविवर्लि
 यारुवनि॥ अथ नयनं ॐ निःश्रुति न४॥ य ॐ निःश्रुति दो
 र्व४॥ अथ नायनं कू न४॥ यादि सला पावक व४॥ उजायनं दू वल ४॥ पयसमु विहा वया॥ पयायनं॥ ययस्यनं॥

न४॥ उयमाना दावा रथ विप्रत्यया वक व४॥ वनि विनि विलाप ४॥ वन्य ॐ वा ववनीति वन्य निःश्रुति॥ अवा न४ उयमाना न४॥
 उयमाना यप्रत्यया रुवनि अवा रथ अका न४॥
 नि॥ पूनीय न४ पूनीय न४॥ अपूनीय न४॥ रिदू ४५॥
 कूयाम रथ असेन ४ सप्रत्यया रुवनि॥ सा वल
 निव का न४॥ रु विदु मिदु निव रूष नि॥ वूरूष न४॥ वूरूष न४॥ अवरूष न४॥ वूरूष ४॥ उयमय व४॥ नस्मादू वल्ल नादू वल्ल

न०००॥ अ० का० न० स० ०००॥ न० व० नि० वि० नि० प० ॥ अ० सु० व० नि० का० य० मि० धि० ॥ कि० कि० न० स० नि० पु० ०००॥ नि० नि० नि० ॥ क० हा० श्रु० नि० नि० च० त्वं ॥ आ० वि० ह० स०
 ०००॥ नि० दी० र्घ० ॥ वि० की० र्घ० नि० ॥ वि० की० र्घ० नि० ॥ वि० की० र्घ० नि० ॥ अ०
 नि० र्घ० नि० ॥ ॥ अ० क० श्रु० क० न० ॥ अ० स० ग० ०००॥ नि० नि० नि० नि० ॥
 य० का० न० स० का० न० स० व० ला० पा० रु० व० नि० अ० न० पि० वि० वि० य०
 वि० की० र्घ० नि० ॥ वि० की० र्घ० नि० ॥ अ० वि० की० र्घ० नि० ॥ ०००॥ आ० दि० व० रु० स० र्घ० ॥ अ० य० व० व० पा० क० ॥ प० व० न० ०००॥ नि० नि० नि० नि० ॥ अ० नि० श० य० ह० सा० द० य० रु० दि०

२२

॥ अ० नि० य० रु० पु० त्व० य० ॥ अ० न० ॥ य० दि० स० नि० पु० र्व० स० अ० का० न० स० का० न० रु० व० नि० ॥ वा० न० य० ल० ग० न० व० रु० न० ०००॥ नि० य० रु० ला० प० ॥ सि० स० ना० सी० स०
 पा० मि० ट० ॥ ०००॥ अ० ग० म० ॥ पा० य० वि० ना० पा० य० वि० ना० मो० पा०
 न० ॥ ०००॥ आ० या० त्म० न० ॥ ०००॥ नि० स० य० त्व० य० ॥ ०००॥ आ० दा०
 नि० स० का० व० स० न० का० व० ॥ दि० स० नि० ॥ धि० स० नि० ॥ मो० ट० मा०
 ॥ अ० सि० स० न० ॥ अ० मि० स० न० ॥ अ० य० मि० स० न० ॥ अ० ल० रु० व० य० पा० को० ॥ अ० का० न० व० का० न० का० य० र्थो० ॥ रु० का० न० स० का० न० अ० त्म० न० य० दार्थ० ॥ ले० रु०

गी॥ अवीरुत्सर्ग॥ दानभनसुजन॥ दीदीसर्ग॥ जीभसर्ग॥ गुपूतक॥ अय॥ गुपादित्यश्रयपुत्यथारुवनिस्वार्थ॥ लभ
 पायन॥ नपधूपसनापि॥ धूपायनि॥ धूपायन॥ वि
 नापलभयतु॥ अयलभयतु॥ उरुययदी॥ पलभयन
 यो॥ लवाकावस्यस्त्रीकावे॥ अग्रायात्मसम्बन्धिनी
 अयूनीयतु॥ धनमिच्छुनीति धनीयनि॥ उदकस्यादनाद॥ उदकमात्मनस्तेकुतिउदयनि॥ काममयीकुनि॥ स्त्रीकाया

१०२

मर्त्यपूतकाम्यनि॥ कावलीवय॥ कलुदित्य॥ कनलीर्थयपुत्यथारुवनि॥ कलु कनानीनिकलुयनि॥ नप॥ कनानीनिकनप
 स्यनि॥ उरुययदार्थ॥ अर्त्तिकनली॥ नाम्नाश्चि
 क्थ॥ सधनुविनिनिधनुर्मन्त्रायानिवाय॥
 गी॥ सु॥ धनुपा॥ मि॥ स्त्रीवपठितानीध
 निद्यटयनि॥ द्यटयतु॥ द्यटयतु॥ अद्यटयतु॥ द्यटयानवकाव॥ द्यटयिना॥ द्यटयिष्यनि॥ अद्यटयिष्यतु॥ अद्यटयितु॥

श्रीकाद्यगार्हपत्यं ॥ अथ अद्वयपुत्र्याहवनिदिवादीपनः ॥ अत्र पवादः ॥ अनादिर्वचनं ॥ दकात्रागुलीपनिधधार्थः ॥ अचूच
 विअदिपुत्रं निस्किर्णं ॥ १७३ ॥ किनिदिनिचयः ॥ अलपिहवनि ॥ लघादीर्घः ॥ अदिसति पूर्वसर्वधिनो लघा
 दीर्घाहवनि ॥ अचूचनन ॥ अचूचननी ॥ अचूचन
 चूचनाम ॥ विदज्ञानं ॥ अवीविदगु ॥ दहपुपुनः
 पूर्वसर्वधिनो अकात्रस्यकात्रीहवनि लघोपत्र उपधया ऊस्वथ ॥ अपीपचन ॥ अपीप० ॥ अपीपलन ॥ अजीजनन ॥

१०४

पदगर्भो ॥ अथपीपदगु ॥ अजीघटन ॥ घटयहाया ॥ नअनः ॥ अकात्रगा ॥ द्युर्कनहवनि ॥ द्योदगर्भो ॥ अदुदोक्त ॥ अया
 द्याकुया ॥ अययाचन ॥ वदप्राये ॥ वहः
 पुमानल ॥ हाटः ॥ गथार्द्धः ॥ दूरिः ॥ दूः ॥ रि
 वट ॥ हवदः ॥ १७४ ॥ अत्रद्विथ ॥ उउ ॥ उउउ ॥
 उकोनीहवनि ॥ उउउ ॥ अगतिनिरुहो ॥ दादविः ॥ अनीकात्रकेन ॥ पथ्यद्विर्वचनं ॥ अथनिधिपुत्र ॥ पापानोय

न०० नित्यकात्रलोपः॥ पादयूक्॥ अपीयन्॥ कपूसा मर्थ॥ कथनालम् ॥ कथपद्मगिरि ॥ कानयाश्चमाल्लकान
 ॥ कानोहवतः॥ कल्ययनि॥ कल्यथनाकल्य यरु॥ अकल्ययन्॥ कल्ययन॥ कल्यथनाकल्ययनी॥ अकल्य
 यन॥ चूनाद्विनिर्दिष्टपुत्रयः॥ १७ वदेद्विष्ट
 निर्दिष्टलोपः॥ न००॥ ००० नित्यकात्रः॥ अदिलक्षो
 ॥ कृहीष्टः॥ कथनालम् ॥ अचीकूपन्॥ अचीकूपनी॥ अचीकूपन्॥ अचीकूपः॥ अचीकूपनी॥ अचीकूपन्॥ अ

चीकूपी॥ अचीकूपाना॥ अचीकूपामा॥ ॥ अथदशविंशतिविधिर्निबूयन्॥ दशमदशपञ्चादिः॥ दशमदशानाः
 पञ्चादिनादः॥ लोहवत्यवादीविषयः॥ दशिनूय
 पापानां॥ पा००० त्रयस्यपिवादेशः॥ पिवति॥ द्यागे
 ॥ अस्मधमादेशः॥ सर्वधमनि॥ लोहधमनि॥ स्फा
 कृति॥ मन्त्रायाः॥ ००० त्रयस्यमनादेशः॥ मननि॥ अगतावित्यस्यैकदेशः॥ अकृति॥ अगतावित्यस्यैकदेशः॥ भवनि॥

ययनेधनीनाकावस्यलापोरुवनि॥दाइवरवुन॥युनि॥रुमननूकनर॥युनि॥षाअनूकर्मलि॥त्युनि॥पात्रु॥यव
 वग्गदूहनस्यअवस्यडुनरुवनिक्किनिपय॥००नापवाद॥मृदुपाल्याग॥मूमूर्षनि॥सपत्रादोदोमि
 यने॥पनसोपदंरुवनि॥ममात्र॥आदिग्यात्स्य॥पुत्यथयनपिपनसोपदंमनिष्यनि॥अन्यग॥सियन॥नूदा १०८
 दंअरुडुडुदसाद॥चडुडुडुनिवादिगलभना॥मरुधरुकाववसाद॥सुत्ययस्यजगभाहवनिनूदाद॥पनस्य
 ॥अदादिवायपोलूक्॥नूदिनूअधुविभावन॥नादिनि॥नूदिन॥नूदनि॥नादिषि॥नादिथ॥नादिथ॥नादिमि॥नादिव॥

[illegible]

रुवति॥युवावनाको॥प्रोहिवावयतिवावाव॥यहादर्विनिपुत्यथरुवति॥गृह्णातीतिप्रहृ॥आहूयक॥निषनीक	
यी॥यजनीतियाजी॥नृणां॥विपूर्व॥विनावी॥	यापोप॥यायी॥वत्रगतिरुदराया॥विचवनीतिवि
वावी॥दृष्टमद॥४॥दृष्टमदद्वानो॥पुत्यथरु	वति॥लकान॥लिकायाथ॥लितिबहुवृत्त॥लितिपुत्य
थपत्रवतुर्षुतिवादिषूयकार्यमूर्कनरुवति	॥पश्यति॥००तिपश्य॥उन्नयनीतिउन्नय॥धृपाने॥
धयनीतिधय॥॥गदोगिर्सागया॥उद्धमनीतिउद्धम॥पायाने॥उत्थिवनीतिउत्थिव॥प्रागन्धपादा	२७

न॥उज्जिद्युनीतिउज्जिद्यु॥गर्मास्त्र०००पधयालाप॥हनाध॥गर्हनीतिगमय॥मवादर्मस॥विदुलारु॥	
गर्विन्दनीतिगमविन्द॥कलादलु॥कलाद	द्विती॥पुत्यथरुवति॥लकानादृष्टार्थ॥किलदीफो॥
कलनीतिकाल॥नपसनाथ॥नपनीतिनाप॥	॥पथिगनीयथानीतिपान्क॥पन्कयनीतिवा॥अरुदृष्ट
नक्रुर्वन्मागम॥पुक्रुश्कन॥कार्य॥	धनी॥कर्मलिपयुक्ताने॥अपुत्यथरुवति॥धनीनामि
न०००निदृष्टि॥कुरुकानातीतिकुरुकाव॥पन्ककानातीतिपन्ककाव॥दृदाश्दाने॥आना०॥आकानाका	

सुगीवा॥ हनिदावा॥ कविदन्वयापिदृश्यते॥ सुदूकनीनीति सुकर्मा॥ जनीति रूपा॥ १८॥ मनीति गर्वा॥ रूपादि॥ किपू॥ सर्वध
 दुस्यधकिपुत्यथारुवति॥ दुस्यस्यपिनिदृशिरुके॥ दुस्यस्यपिनिदृशिरुके॥ किपू॥ सर्वध
 प॥ कर्मरुत॥ अग्निविन॥ देवमुनू॥ सामयो॥ सर्वदक॥ दिग्म॥ मिनिदृश्यं॥ १९॥ मवाया॥ पुकायदीद्योनावव
 कवा॥ नत्वयीद॥ सुधी॥ शोमद्वन्धने॥ किपिपत्र
 नीतिकटविकी॥ अ॥ न॥ यन॥ रूपा॥ प॥ संथागमनस्यलो॥ १॥ अ॥ यन॥ १॥ किपिसंयुसारं॥ १॥ विनेया॥ सुधी॥

दृष्टादूकसकोवापमानकार्य॥ दृष्टादूकसकोपुत्यथारुवतयमानकार्य॥ वकावागकिपू॥ अ॥ सर्वध॥
 एनमपुत्यथमपत्रमसर्वध॥ पूर्वस्यारुवति
 दृष्टादूकसकोवापमानकार्य॥ दृष्टादूकसकोपुत्यथारुवतयमानकार्य॥ वकावागकिपू॥ अ॥ सर्वध॥
 म॥ की॥ किमलदस्यदमलदस्यवकी॥ रूपा॥
 मिददृष्टादूकसकोवापमानकार्य॥ दृष्टादूकसकोपुत्यथारुवतयमानकार्य॥ वकावागकिपू॥ अ॥ सर्वध॥

शीलवलिनिपुत्यथाहवनि॥ अग्निशमयाजी॥ उष्णराजी॥ क्रियुनियुता॥ धीमावनीकालशीलवक्त्रियवनिपुता॥ अग्निशमयाजी॥ उष्णराजी॥ क्रियुनियुता॥ धीमावनीकालशीलवक्त्रियवनिपुता॥
 त्वयोहवनि॥ वृषहा॥ यज्ञा॥ सनसिर्ज॥ सर्वरू॥ सामगे॥ कंकवतू॥ धीमावनीकालशीलवक्त्रियवनिपुता॥ अग्निशमयाजी॥ उष्णराजी॥ क्रियुनियुता॥ धीमावनीकालशीलवक्त्रियवनिपुता॥
 वकार्यथा॥ रुन॥ यट॥ कट॥ रुनवाना॥ उका॥ नानुमिधनार्थ॥ अगर्ग॥ छिर्नदवदरुन॥ हावनयूसका २२९
 न॥ गत्यर्थदकर्मका॥ कर्तृविक॥ गत्यर्थदक॥ मकाच्चधना॥ कर्तृविक॥ गत्यर्थदक॥ मकाच्चधना॥ कर्तृविक॥ गत्यर्थदक॥ मकाच्चधना॥
 न॥ छिर्न॥ शन॥ दाने॥ कान॥ कंकवतू॥ क्वावास्ट॥ सट॥ कृपुत्यथावोकिहवनि॥ यशुनिर॥ यथागिर्न॥ मूदि

न॥ मादित॥ नृदित॥ प्रादित॥ मूयित॥ भाषित॥ गृहीत॥ वृषीटाग्रामिनिदीर्य॥ किर्न॥ उवर्त्तका
 दृवर्त्तका॥ वृषियष्टधना॥ यनस्यकिर्न॥ यस्थटनरुवनि॥ रुन॥ वृन॥ शिर्न॥ आदीदित॥
 आदित॥ वृषीदित॥ यनस्यवमादनि॥ जगमेनरुवनि॥ शीतानकवर्त्तमानयि॥ शीर्न॥ धन
 नावर्त्तमानेपितृकपुत्यथाहवनि॥ अपिर्न॥ दानुर्नकर्मनिव॥ दस्युमोदय॥ दकानादरुनस्यकि
 नरुणदस्यनरुवेतिदकानेस्यवनकात्र॥ छिदिदाहर्त्त॥ मिर्नमन्नकलेनवर्त्तन॥ छिदिदागमपुदवर्त्त

वंभिनः अकावस्य गुरुर्निखनमागमारुवति ॥ रुवन्की ॥ रुवन्ह्यो ॥ रुवन्ह्यः ॥ पचन्की ॥ प० की ॥ दिवन्की ॥ दिवन्की ॥ दिवन्की ॥
 नायकादीनां विगुर्नमश्चुकिधः ॥ भवकश्च ॥ १२२
 नायकः ॥ जागुः ॥ दविदादुर्जेनी ॥ दविदुः ॥ च
 वेवस्युत्थयारुवति ॥ विदना ॥ विदना ॥ अरु
 धनरुवदिरुगवत्याथैरुलिनी ॥ जीलरुन ॥ धनरु नूपत्ययारुवति ॥ जीलरुन ॥ धनरु नूपत्ययारुवति ॥ जीलरुन ॥ धनरु नूपत्ययारुवति ॥

नजीलानना ॥ ॐ सुसुक् ॥ धनः ॥ जील ॥ ॐ सुसुक् ॥ ॐ सुसुक् ॥ ॐ सुसुक् ॥ ॐ सुसुक् ॥ ॐ सुसुक् ॥
 दन ॥ ॐ सुसुक् ॥ सहसुक् ॥ सहसुक् ॥ सहसुक् ॥ सहसुक् ॥ सहसुक् ॥
 काकाया ॥ ॐ सुसुक् ॥ काकाया ॥ काकाया ॥ काकाया ॥ काकाया ॥ काकाया ॥
 र्थः ॥ वनाकी ॥ हिदुया ॥ हिदुया ॥ हिदुया ॥ हिदुया ॥ हिदुया ॥
 लार्थविनायिडुपुत्यथारुवति ॥ वचपनिगार ॥ यनरुत्यकोनलीपः ॥ विवदुः ॥ जीसुमुनी ॥ जीसुमुनी ॥ जीसुमुनी ॥

संवयशास्त्रवशा॥ली॥उन्नय॥नृविक्षेप॥नृयनविक्षिप्यनकामादिरिविनिनत्र॥मर्दा॥मदादीनामपुत्र्ययारुवगिरावादी॥म
दीरुर्धमद॥प्रमयन॥नयनियुमदा॥प॥॥म
लीसीयन॥नृविषय॥मूर्त्तिद्यन॥मूर्त्तिका॥
दक्षिद्यन॥सिन्धवद्यन॥बलुविपर्यय॥दिन
दूवपृकपन॥वयथू॥दूकपृकप॥कपथू॥दिनमिमकक॥दिनाधनामिमकपुत्र्ययारुवगिरावादी॥

(१) चैवाद्यसि ॥ क्रियाया निवृत्तः ॥ कृतिमाद्यः ॥ संहतिर्मयूढः ॥ याचिनिर्मविषधर्नः ॥ नदूकी ॥ धनान्नदूकी ॥ खनीपुत्यो
 रुवनीहावादी ॥ यनीपयत्ने ॥ यननयत्नः ॥ पदः ॥ १॥
 १॥ विष्णुर्गतिविष्णुः ॥ विष्णुर्गतिविष्णुः ॥ गुणराव
 जाधीयर्गतिविष्णुः ॥ विधीयर्गतिविधिः ॥ स
 धिः ॥ राधयूट ॥ धनार्थयूट ॥ पुण्ययारुवनि ॥ यूवावनाको ॥ गुणः ॥ क्रियर्गतिवनर्णः ॥ दीयर्गतिहेवनर्णः ॥ रुवनी ॥ रु

लुङ् ॥ ॐ स्तोत्रं दसं द्यावया ॥ १ ॥ टिलाप ॥ स्यात्तन्मन्त्रस्य लाप ॥ २ ॥ टिलादीपास्त्रि ॥ वरुणकाव ॥ ककाव ॥ नादि ॥
 वा ॥ ३ ॥ वरुणादीनि नामानि ॥ लाकाक्षस्य ॥ सिद्धि ॥ यथामात्रं पितृनादित्यादयस्त्रयूपाकां नरुया
 दि ॥ ४ ॥ द्यौर्दृशार्थक ॥ समस्तबीजुर्हर्तु
 कवर्णी ॥ ५ ॥ सूत्रासूत्रनवाकावमधुपापी
 नूतनिसूत्रपाचार्यविनविनासावस्वर्गीयक्रियासमाप्ता ॥ ॥ ॐ हूं हूं ॥ ॥ ॐ तिष्ठोपमहस्यविवाजको
 ॥ १ ॥ ॐ हूं हूं ॥ ॥ ॐ तिष्ठोपमहस्यविवाजको

निवाल्मिदं पूरकस्वर्गकुण्डलवास्तुविश्वसिंहस्य त्मज्जमाहनवाभनमाहनसिंहनामपूणस्यार्थलखितं गुरु ॥

終

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

श्वं दल ग्री वा नृ गृही कू विहृ विकी। दृ ली ग का श्र दो र्व ल्यं वे ल ह्यं प नि क र्हि का ॥ मा ना ज स्य उ मा द वी। जे ना ज स्य
 ख न दी नं ज न न सं य जी द ध्वा न ज र्ति सि द्धि।
 रु न रु र्ति वि। ज व ना न ल रु स्य दि क्ष

हवनदीन पत्रम स
म्वनदीन पत्रम

আশা স্মৃতি

১৯৯২ I

ASHA ARCHIVES



ASHA ARCH

1992

I